# मानव भूगोल के मूल सिद्धांत

कक्षा 12

12098

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

© NCERT not to be republished

**प्रथम संस्करण**
*फ़रवरी 2007 फाल्गुन 1928*

**पुनर्मुद्रण**
*अक्तूबर 2007 कार्तिक 1929*
*फ़रवरी 2009 माघ 1930*
*जनवरी 2010 माघ 1931*
*दिसंबर 2010 अग्रहायण 1932*
*मार्च 2013 फाल्गुन 1934*
*जनवरी 2014 माघ 1935*
*दिसंबर 2015 पौष 1937*
*फ़रवरी 2017 माघ 1938*
*फ़रवरी 2018 माघ 1939*
*जनवरी 2018 पौष 1940*

**PD 40T RSP**

*© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् , 2007*

**₹ ?.00**

*एन.सी.ई.आर.टी. वाटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।*

*प्रकाशन प्रभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा ..........................................................*
*..................................................................................*
*...........................................................द्वारा मुद्रित।*

**ISBN 81-7450-674-8**

**सर्वाधिकार सुरक्षित**

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

**एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय**

न.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
**नयी दिल्ली 110 016** फोन : 011-26562708

108, 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
**बेंगलुरु 560 085** फोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
**अहमदाबाद 380 014** फोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट: धनकल बस स्टॉप पनिहटी
**कोलकाता 700 114** फोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स
मालीगांव
**गुवाहाटी 781021** फोन : 0361-2674869

**प्रकाशन सहयोग**

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग : *एम. सिराज अनवर*
मुख्य संपादक : *श्वेता उप्पल*
मुख्य व्यापार प्रबंधक : *गौतम गांगुली*
मुख्य उत्पादन अधिकारी : *अरुण चितकारा*
संपादक : *रेखा अग्रवाल*
उत्पादन सहायक : *सुनील कुमार*

**कार्टोग्राफ़ी**
कार्टोग्राफ़िक डिज़ाइन एजंसी

**आवरण एवं सज्जा**
जोएल गिल

**चित्रांकन**
अनिल शर्मा, वरूनी सिन्हा

© NCERT not to be republished

# आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (2005) सुझाती है कि बच्चों के स्कूली जीवन को बाहर के जीवन से जोड़ा जाना चाहिए। यह सिद्धांत किताबी ज्ञान की उस विरासत के विपरीत है जिसके प्रभाववश हमारी व्यवस्था आज तक स्कूल और घर के बीच अंतराल बनाए हुए है। नयी राष्ट्रीय पाठ्यचर्या पर आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस बुनियादी विचार पर अमल करने का प्रयास है। इस प्रयास में हर विषय को एक मज़बूत दीवार से घेर देने और जानकारी को रटा देने की प्रवृत्ति का विरोध शामिल है। आशा है कि ये कदम हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बाल-केंद्रित व्यवस्था की दिशा में काफ़ी दूर तक ले जाएँगे।

इस प्रयत्न की सफलता अब इस बात पर निर्भर है कि स्कूलों के प्राचार्य और अध्यापक बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों और सवालों की मदद से सीखने और सीखने के दौरान अपने अनुभवों पर विचार करने का अवसर देते हैं। हमें यह मानना होगा कि यदि जगह, समय और आज़ादी दी जाए तो बच्चे बड़ों द्वारा सौंपी गई सूचना-सामग्री से जुड़कर और जूझकर नए ज्ञान का सृजन करते हैं। शिक्षा के विविध साधनों एवं स्रोतों की अनदेखी किए जाने का प्रमुख कारण पाठ्यपुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृत्ति है। सर्जना और पहल को विकसित करने के लिए ज़रूरी है कि हम बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार मानें और बनाएँ, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें।

ये उद्देश्य स्कूल की दैनिक ज़िंदगी और कार्यशैली में काफ़ी फेरबदल की माँग करते हैं। दैनिक समय-सारणी में लचीलापन उतना ही ज़रूरी है जितनी वार्षिक केलैंडर के अमल में चुस्ती, जिससे शिक्षण के लिए नियत दिनों की संख्या हकीकत बन सके। शिक्षण और मूल्यांकन की विधियाँ भी इस बात को तय करेंगी कि यह पाठ्यपुस्तक स्कूल में बच्चों के जीवन को मानसिक दबाव तथा बोरियत की जगह खुशी का अनुभव बनाने में कितनी प्रभावी सिद्ध होती है। बोझ की समस्या से निपटने के लिए पाठ्यक्रम निर्माताओं ने विभिन्न चरणों में ज्ञान का पुनर्निर्धारण करते समय बच्चों के मनोविज्ञान एवं अध्यापन के लिए उपलब्ध समय का ध्यान रखने की पहले से अधिक सचेत कोशिश की है। इस कोशिश को और गहराने के यत्न में यह पाठ्यपुस्तक सोच-विचार और विस्मय, छोटे समूहों में बातचीत एवं बहस और हाथ से की जाने वाली गतिविधियों को प्राथमिकता देती है।

एन.सी.ई.आर.टी. इस पुस्तक की रचना के लिए बनाई गई पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के परिश्रम के लिए कृतज्ञता व्यक्त करती है। परिषद् सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रोफ़ेसर हरि वासुदेवन और इस पाठ्यपुस्तक समिति के मुख्य सलाहकार प्रोफ़ेसर एम. एच. कुरैशी की विशेष आभारी है। इस पाठ्यपुस्तक के विकास में कई शिक्षकों ने योगदान किया, इस योगदान को संभव बनाने के लिए हम उनके प्राचार्यों के आभारी हैं। हम उन सभी संस्थाओं और संगठनों के प्रति कृतज्ञ हैं जिन्होंने अपने संसाधनों, सामग्री और सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक सहयोग दिया। हम माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रोफ़ेसर मृणाल मीरी एवं प्रोफ़ेसर जी.पी. देशपांडे की अध्यक्षता में गठित निगरानी समिति (मॉनिटरिंग कमेटी) के सदस्यों को अपना मूल्यवान समय और सहयोग देने के लिए धन्यवाद देते हैं। व्यवस्थागत सुधारों और अपने प्रकाशनों में निरंतर निखार लाने के प्रति समर्पित एन.सी.ई.आर.टी. टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करेगी जिनसे भावी संशोधनों में मदद ली जा सके।

*निदेशक*
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान
और प्रशिक्षण परिषद्

नयी दिल्ली
*20 नवंबर 2006*

© NCERT not to be republished

© NCERT
not to be republished

# पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

**अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक सलाहकार समिति**

हरि वासुदेवन, *प्रोफ़ेसर*, इतिहास विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता

**मुख्य सलाहकार**

एम.एच. कुरैशी, *प्रोफ़ेसर*, क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

**सदस्य**

अनिन्दिता दत्ता, *लेक्चरर,* दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकॉनोमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

अनुप सेकिया, *रीडर,* गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी

अशोक दिवाकर, *लेक्चरर,* गवर्नमेंट पी. जी. कॉलेज, गुड़गाँव

ओडिल्या कोटिनहो, *रीडर,* आर. पी. डी. कॉलेज, बेलगाम

एन. आर. दाश, *रीडर,* एम. एस. विश्वविद्यालय बड़ौदा, वडोदरा

एन. कार, *रीडर,* राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, ईटानगर

एन. नागाभूषणम, *प्रोफ़ेसर,* एस. वी. विश्वविद्यालय, तिरुपति

एस. जहीन आलम, *लेक्चरर,* दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

रंजना जसूजा, *पी. जी. टी.,* आर्मी पब्लिक स्कूल, धौलाकुआँ, नयी दिल्ली

स्वागता बासु, *लेक्चरर,* एस. एस. वी. (पी. जी.) कॉलेज, हापुड़

**हिंदी अनुवाद**

अशोक दिवाकर, *लेक्चरर,* गवर्नमेंट पी. जी. कॉलेज, गुड़गाँव

निसार अहमद शेख *प्राचार्य* (सेवानिवृत), महाविद्यालय शिक्षा निदेशालय, राजस्थान

मनीषा त्रिपाठी, *लेक्चरर*, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल

**सदस्य-समन्वयक**

तनु मलिक, *लेक्चरर*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नयी दिल्ली

© NCERT not to be republished

# आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद्, इस पुस्तक के विकास में सहयोग देने हेतु रूपा दास, *पी.जी.टी.,* डी.पी.एस., आर.के. पुरम, नयी दिल्ली का आभार व्यक्त करती है। परिषद्, सविता सिन्हा, *प्रोफ़ेसर* एवं *विभागाध्यक्ष*, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग के प्रति भी अपनी कृतज्ञता अर्पित करती है, जिन्होंने प्रत्येक स्तर पर इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण में अपना अमूल्य सहयोग दिया।

परिषद्, वीर सिंह आर्य, *प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी* (अवकाश प्राप्त), वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार; दिनेश प्रताप सिंह, *रीडर* एवं *विभागाध्यक्ष,* डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, देहरादून, नरेंद्र डबास, *लेक्चरर*, एस.सी.ई.आर.टी., हरियाणा; दीपावली बधवार, *लेक्चरर*, एस.सी.ई.आर.टी., हरियाणा; रंजन कुमार चौधरी, *पी.जी.टी.,* गवर्नमेंट सहशिक्षा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खेड़ा डाबरा, दिल्ली एवं संगीता, *पी.जी.टी.,* गवर्नमेंट सहशिक्षा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, काज़ीपुर, दिल्ली का भी आभार व्यक्त करती है जिन्होंने अनुवाद के पुनरीक्षण के हेतु कार्यशालाओं में भाग लिया और अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

परिषद्, भारतीय सर्वेक्षण विभाग को भी धन्यवाद देती है जिसने पाठ्यपुस्तक में प्रकाशित मानचित्रों को प्रमाणित किया। परिषद् निम्न सभी व्यक्तियों एवं संगठनों का आभार व्यक्त करती है जिन्होंने इस पाठ्यपुस्तक को सहज बनाने हेतु विभिन्न चित्र एवं अन्य पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवाई:-

एम.एच. कुरैशी, *प्रोफ़ेसर*, क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय को चित्र 8.2 एवं 10.8 के लिए; सीमा माथुर, *रीडर*, श्री अरबिंदो कॉलेज (सांध्यकालीन), नयी दिल्ली को चित्र 5.15 (क), 7.5 एवं पृष्ठ 1 पर चित्र के लिए; कृष्ण श्योराण को चित्र 5.13, 8.1 8.4, 8.15, 10.1 एवं 10.2 के लिए; अर्जुन सिंह, *छात्र*, हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय को चित्र 7.3 एवं पृष्ठ 92 पर चित्र के लिए; नित्यानंद शर्मा, *प्रोफ़ेसर* एवं *विभागाध्यक्ष*, मेडिकल कॉलेज, रोहतक को पृष्ठ 55 पर चित्र के लिए; स्वागता बासु, *लेक्चरर*, एस.एस.वी. (पी.जी.) कॉलेज, हापुड़ को चित्र 8.17, 9.2 एवं 10.9 के लिए; ओडिल्या कोटिनहो, *रीडर*, आर.पी.डी. कॉलेज, बेलगाम को चित्र 7.4 के लिए; अभिमयु अब्रोल को चित्र 5.10 के लिए; समीरन बरूआ को चित्र 9.1 के लिए; श्वेता उप्पल, एन.सी.ई.आर.टी. को चित्र 6.2 (ख), 6.3, 8.12 एवं 10.4 के लिए; कल्याण बैनर्जी, एन.सी.ई.आर.टी. को चित्र 10.3, 10.5 एवं 10.6 के लिए; वॉय.के. गुप्ता तथा आर.सी. दाश, एन.सी.ई.आर.टी. को चित्र 5.17 (क), 5.17 (ख) एवं पृष्ठ 65 पर चित्र के लिए; एन.सी.ई.आर.टी. के पुराने चित्रों के संकलन को चित्र 5.5, 5.9, 5.11, 5.15(ख), 5.18, 6.4, 6.5, 6.6, 8.8, 8.13, 9.5, 9.6 एवं पृष्ठ 1, 31, 45 एवं 82 पर चित्रों के लिए; आई.टी.डी.सी./पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार को चित्र 5.1 एवं 6.2(ख) के लिए; भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को चित्र 8.3 के लिए; विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रालय को चित्र 5.3 एवं 7.2 के लिए; टाइम्स ऑफ़ इंडिया, नयी दिल्ली को पृष्ठ 12, 63 एवं 69 पर समाचारों के लिए; बिज़नस स्टैंडर्ड को पृष्ठ 28 एवं 75 पर दिए गए समाचारों के लिए; दि हिन्दू को पृष्ठ 75 पर दिए गए समाचार के लिए एवं वेबसाईट www.africa.upenn.edu को चित्र 10.7 के लिए।

परिषद्, अनिल शर्मा एवं नरगिस इस्लाम *डीटीपी ऑपरेटर*; नेहाल अहमद, मनोज मोहन *कॉपी एडीटर*; उमेद सिंह गौड़, *प्रूफ़ रीडर* तथा दिनेश कुमार, *कंप्यूटर इंचार्ज* का भी पुस्तक को अंतिम रूप देने में सहायता करने के लिए आभार व्यक्त करती है। प्रकाशन विभाग एन.सी.ई.आर.टी. को पुस्तक के निर्माण में सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करती है।

**निम्नलिखित बिंदु इस पाठ्यपुस्तक में इस्तेमाल किए गए भारत के मानचित्रों के लिए लागू हैं**

1. © भारत सरकार का प्रतिलिप्याधिकार, 2006
2. आन्तरिक विवरणों को सही दर्शाने का दायित्व प्रकाशक का है।
3. समुद्र में भारत का जलप्रदेश, उपयुक्त आधार-रेखा से मापे गए बारह समुद्री मील की दूरी तक है।
4. चण्डीगढ़, पंजाब और हरियाणा के प्रशासी मुख्यालय चंडीगढ़ में है।
5. इस मानचित्र में अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय के मध्य में दर्शाई गई अन्तर्राज्यीय सीमाएँ, उत्तरी पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 के निर्वाचनानुसार दर्शित है, परंतु अभी सत्यापित होनी है।
6. भारत की बाह्य सीमाएँ तथा समुद्र तटीय रेखाएँ भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा सत्यापित अभिलेख/प्रधान प्रति से मेल खाती है।
7. इस मानचित्र में उत्तरांचल एवं उत्तरप्रदेश, झारखंड एवं बिहार और छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के बीच की राज्य सीमाएं संबंधित सरकारों द्वारा सत्यापित नहीं की गई है।
8. इस मानचित्र में दर्शित नामों का अक्षरविन्यास विभिन्न सूत्रों द्वारा प्राप्त किया है।

© NCERT not to be republished

# विषय सूची


आमुख *iii*

इकाई–1

**अध्याय 1**

मानव भूगोल
प्रकृति एवं विषय क्षेत्र 1–7

इकाई–2

**अध्याय 2**

विश्व जनसंख्या
वितरण, घनत्व और वृद्धि 8–15

**अध्याय 3**

जनसंख्या संघटन 16–20

**अध्याय 4**

मानव विकास 21–28

इकाई–3

**अध्याय 5**

प्राथमिक क्रियाएँ 29–42

**अध्याय 6**

द्वितीयक क्रियाएँ 43–52

**अध्याय 7**

तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप 53–62

**अध्याय 8**

परिवहन एवं संचार 63–79

**अध्याय 9**

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार 80–89

इकाई–4

**अध्याय 10**

मानव बस्ती 90–101

**परिशिष्ट** 102–113

**शब्दावली** 114–116


© NCERT not to be republished

# भारत का संविधान

## उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में**

व्यक्ति की गरिमा और [2][**राष्ट्र की एकता और अखंडता**] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''राष्ट्र की एकता'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।

© NCERT not to be republished